न्यूज़ टुडे

ताजा जल की जलीय, स्थलीय और एवियन प्रवासी प्रजातियों पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव

- यह अध्ययन **प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण** (Conservation of Migratory Species: CMS) और **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के मध्य सहयोग** का परिणाम है। यह अध्ययन **जापान द्वारा वित्त पोषित काउंटर मेशर** (MEASURE) II **परियोजना** का एक भाग है। काउंटर मेशर का उद्देश्य एशिया के नदी तंत्रों में प्लास्टिक प्रदूषण के स्रोतों और मार्गों की पहचान करना है।
  - यह अध्ययन **वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण** (CMS) **पर अभिसमय** द्वारा संरक्षित, भूमि और ताजा जल की प्रवासी प्रजातियों पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभावों की पहचान करता है।
- **प्रमुख निष्कर्ष**
  - अध्ययन में पाया गया है कि **वर्ष 2030 तक प्रतिवर्ष 53 मिलियन टन प्लास्टिक** जलीय प्रणालियों में प्रवेश कर सकता है। यह अंततः 90 मिलियन टन तक बढ़ सकता है।
  - अध्ययन में **गंगा और इरावदी डॉल्फिन, डुगोंग या समुद्री गाय, एशियाई हाथियों तथा विभिन्न एवियन प्रजातियों** की केस स्टडीज को समाविष्ट किया गया है, जो प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई थीं।
  - **अध्ययन द्वारा प्रकट किए गए प्रमुख खतरों में शामिल हैं**– प्लास्टिक अपशिष्ट में फंसना, जैसे कि मछली पकड़ने वाले जाल; प्लास्टिक का अंतर्ग्रहण जिससे खाद्य श्रृंखला प्रभावित होती है; प्लास्टिक अपशिष्ट के कारण वायु–जल अंतराफलक पर रहने वाली प्रजातियों के लिए स्थान की कमी और व्यवधान आदि।
  - ब्लैक–फेस स्पूनबिल और ऑस्प्रे जैसे प्रवासी पक्षियों को **प्लास्टिक से घोंसले बनाते** हुए देखा गया है, जिसके परिणामस्वरूप प्रायः उनके चूजे उलझ जाते हैं।

CMS या बॉन कन्वेंशन, 1979 के बारे में

- यह प्रजातियों और पर्यावास संरक्षण हेतु सहयोग एवं कार्रवाई को बढ़ावा देने के लिए **संयुक्त राष्ट्र की एक पर्यावरण संधि** है।
- संरक्षण आवश्यकता के आधार पर प्रजातियों को **परिशिष्ट I और** II में सूचीबद्ध किया गया है।
  - **परिशिष्ट** I प्रजातियां वे हैं, जिनके विलुप्त होने का खतरा विद्यमान है।
  - **परिशिष्ट** II प्रजातियां वे हैं, जो उनके संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से लाभान्वित होंगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) संकल्प अफगानिस्तान पर 'प्रमुख चिंताओं' को संबोधित करता है

- भारत की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) ने UNSC **संकल्प 2593** को अंगीकृत किया है। **फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका** द्वारा प्रायोजित इस प्रस्ताव के पक्ष में 13 सदस्यों ने मतदान किया तथा विरोध में किसी भी सदस्य ने मतदान नहीं किया।
  - **रूस और चीन** मतदान से पृथक रहे। उनके अनुसार इसमें कुछ समूहों, विशेष रूप से **इस्लामिक स्टेट** (ISIL) और **उइगर ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट** (ETIM) को इस दस्तावेज़ में विशिष्ट रूप से नामित नहीं किया गया है।
- **संकल्प के प्रमुख बिंदु**
  - अफ़गान क्षेत्र का उपयोग किसी भी देश को धमकी देने या हमला करने या आतंकवादियों को शरण देने और प्रशिक्षित करने तथा आतंकवादी हमलों की योजना निर्माण या वित्त पोषण के लिए नहीं किया जाना चाहिए।
  - यह विशेष रूप से UNSC **संकल्प 1267** द्वारा नामित आतंकियों का उल्लेख करता है, जिसमें **लश्कर–ए–तैयबा** (LeT) **और जैश–ए–मोहम्मद** (JeM) शामिल हैं।
  - यद्यपि, इस संकल्प में तालिबान का कई बार उल्लेख किया गया है, परन्तु उसकी निंदा नहीं की गई है।
- भारत ने संकल्प को पारित करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। इसने अफ़गानिस्तान में राज्य अभिकर्ताओं पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव उत्पन्न किया और विशेष रूप से LeT तथा JeM की **भूमिका** को प्रकट किया।
  - भारत ने जनवरी 2021 में UNSC **के एक अस्थायी सदस्य** के रूप में अपना द्विवार्षिक कार्यकाल (भारत का आठवां कार्यकाल) आरंभ किया था। भारत एक माह (अगस्त) तक UNSC का अध्यक्ष रहा था।

स्थायी सदस्य, वीटो अधिकार (5)

- चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका।

गैर–स्थायी सदस्य, दो वर्ष का कार्यकाल (10)

- अफ्रीका (3);
- एशिया (2);
- लैटिन अमेरिका (2);
- पश्चिमी यूरोप तथा अन्य (2);
- पूर्वी यूरोप (1)।

- अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम करना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्राथमिक उत्तरदायित्व है।
- यह संयुक्त राष्ट्र का एकमात्र अंग है, जिसके पास निर्णय लेने की शक्ति है तथा जिसे कार्यान्वित करने हेतु सदस्य राष्ट्र बाध्य होते हैं।

चीन ने म्यांमार के माध्यम से हिंद महासागर के लिए प्रथम सड़क रेल परिवहन लिंक आरंभ किया

- इस परिवहन गलियारे में एक **समुद्री–सड़क–रेल संपर्क** शामिल है।
  - इस मार्ग से, चीन अब म्यांमार के माध्यम से **सिंगापुर** से संयोजित हो गया है।
  - यह दक्षिणी–पश्चिमी चीन को **हिंद महासागर से जोड़ने** का सरलतम मार्ग है।
- **भारत के समक्ष चिंतनीय मुद्दे**
  - बंगाल की खाड़ी तक चीन की प्रत्यक्ष पहुंच भारत के लिए एक बड़ा खतरा है।
    - **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** भी उसी मार्ग पर है, जिस मार्ग से चीन दक्षिण–पूर्वी एशियाई देशों के साथ व्यापार करने का अभिलाषी है।
    - हिंद महासागर का समुद्री मार्ग (Sea Lines of Communication) विभिन्न एशियाई देशों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ऊर्जा और व्यापार गलियारा दोनों है।
  - इसके अतिरिक्त, चीन के मौजूदा कदम को भारत को घेरने की चीन की **'स्ट्रिंग ऑफ़ पर्ल्स'** (String of Pearl) नीति के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।
    - चीनी पोत व्यापक पैमाने पर बंगाल की खाड़ी से गुजर सकते हैं। इससे वे आसानी से भारतीय द्वीपों की निगरानी कर सकते हैं।
  - इससे **उत्तर–पूर्वी भारत** में उग्रवाद भी बढ़ सकता है।
- संबंधित घटना–क्रम में, **जापान** ने चीन को प्रतिसंतुलित करने हेतु अपने सैन्य बजट में नए सिरे से बढ़ोतरी के प्रयास किए हैं। विगत वर्ष से, जापान ने चीन को अपने **प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे** के रूप में चिन्हित किया है।

APDIM के अनुसार रेत और धूल के तूफ़ान भारत में 50 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करते हैं

- आपदा सूचना प्रबंधन के विकास हेतु **एशिया और प्रशांत केंद्र** (APDIM) ने **'एशिया और प्रशांत में रेत एवं धूल के तूफान जोखिम आकलन** (Sand and Dust Storms Risk Assessment in Asia and the Pacific)' शीर्षक से रिपोर्ट प्रकाशित की है।
  - APDIM, एशिया तथा प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (United Nations Economic and Social Commission for Asia and the Pacific: UNESCAP) का एक क्षेत्रीय संस्थान है।

इन्फोग्राफिक 1–1: सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर रेत और पर धूल के तूफानों का प्रभाव

- रेत और धूल के तूफान प्रायः मरुस्थलीय और अर्ध–मरुस्थलीय क्षेत्रों में आते हैं, जब तीव्र पवनें **बहुत कम या कोई वनस्पति आवरण नहीं** होने पर शुष्क मृदा से कणों को समाहित कर लेती हैं।
- **प्रमुख निष्कर्ष**
  - एशिया–प्रशांत क्षेत्र में **रेत और धूल के तूफानों के चार प्रमुख गलियारे** हैं यथा– 'पूर्वी एवं उत्तर–पूर्वी एशिया', 'दक्षिण व दक्षिण–पश्चिमी एशिया', 'मध्य एशिया' तथा 'प्रशांत क्षेत्र'।
  - रेत और धूल के तूफानों के कारण भारत के लिए **ऊर्जा हानि** प्रति वर्ष 107 मिलियन डॉलर से अधिक है।
  - इस प्रकार की **अधिकांश धूल में नमक की मात्रा अधिक** होती है, जो इसे **पौधों के लिए विषाक्त** बनाती है।
  - **'तीसरे ध्रुव'** (हिमालय–हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला) पर बहुत अधिक धूल का निक्षेप होता है।
  - **सकारात्मक प्रभाव**
    - वे **निक्षेपण क्षेत्रों में पोषक तत्वों की मात्रा में वृद्धि** करती हैं। इससे वनस्पति को लाभ पहुंच सकता है।
    - लौह कणों को साथ प्रवाहित करने वाले धूल के कण महासागरों के कुछ हिस्सों को समृद्ध कर सकते हैं, **पादपप्लवकों के संतुलन में सुधार** कर सकते हैं और **समुद्री खाद्य जाल** को प्रभावित कर सकते हैं।

तीन महिला न्यायाधीशों सहित उच्चतम न्यायालय में नौ नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई

- उच्चतम न्यायालय के इतिहास में ऐसा प्रथम बार होगा, जब एक ही समय में नौ न्यायाधीश पद की शपथ ग्रहण करेंगे।
  - इससे उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या **33** हो जाएगी। ज्ञातव्य है कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल स्वीकृत संख्या **34** है।
- **न्यायपालिका में महिलाएं**
  - वर्ष 1989 में एम. **फातिमा बीवी** से आरंभ होकर वर्तमान तक (विगत 71 वर्षों में) केवल आठ महिला न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है।
  - **न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी** 7 अगस्त, 2018 को पदोन्नत होने के पश्चात् शीर्ष न्यायालय में एकमात्र सेवारत महिला न्यायाधीश हैं।
- **महिलाओं के प्रवेश के समक्ष चुनौतियां**
  - जिला न्यायाधीशों के रूप में महिलाओं की भर्ती में प्रमुख बाधा प्रवेश परीक्षा देने के लिए पात्रता संबंधी मानदंड हैं।
  - अधिवक्ताओं को **सात वर्ष** की निरंतर विधिक प्रैक्टिस की आवश्यकता होती है। साथ ही, उन्हें अनिवार्य रूप से 35–45 वर्ष के आयु वर्ग में होना चाहिए।
  - यह महिलाओं के लिए प्रतिकूल है, क्योंकि इस आयु में अनेक महिलाओं का विवाह हो जाता है।
  - इसके अतिरिक्त, कानून में लम्बे और अनम्य कार्य के घंटे तथा साथ में पारिवारिक जिम्मेदारियां, अनेक महिलाओं को प्रैक्टिस छोड़ने के लिए बाध्य करती हैं। इसके परिणामस्वरूप वे निरंतर प्रैक्टिस की आवश्यकता को पूर्ण करने में विफल हो जाती हैं।

- **न्यायपालिका में लैंगिक समानता का महत्व**
  - महिलाओं की भागीदारी न्यायपालिका को अधिक पारदर्शी व समावेशी बनाने तथा जिन लोगों के जीवन को वह प्रभावित करती है, उनके प्रतिनिधि के रूप में उसे स्थापित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।
  - महिला न्यायाधीश स्वयं के जीवन में घटित हो चुके उन अनुभवों को अपने न्यायिक कार्यों में उपयोग करेंगी, जो अनुभव अधिक व्यापक और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण की ओर ले जाते हैं।

भारत ने इस वर्ष (2021) सौर क्षमता में 4.5 गीगावाट (GW) की वृद्धि की है, यह वृद्धि वर्ष 2020 में संस्थापित क्षमता की तुलना में अधिक है

- विगत संपूर्ण वर्ष में 3.2 गीगावाट की तुलना में, वर्ष 2021 की प्रथम छमाही में भारत ने सौर क्षमता में 4.5 गीगावाट की वृद्धि दर्ज की है। यह उपलब्धि सौर क्षेत्रक की बढ़ोत्तरी की स्थिति को दर्शाती है।
  - इससे पूर्व, भारत के संस्थापित विद्युत क्षमता मिश्रण में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 10.3% तक पहुंच गई थी। ज्ञातव्य है कि यह पहली बार पवन आधारित ऊर्जा स्रोतों से अधिक थी।

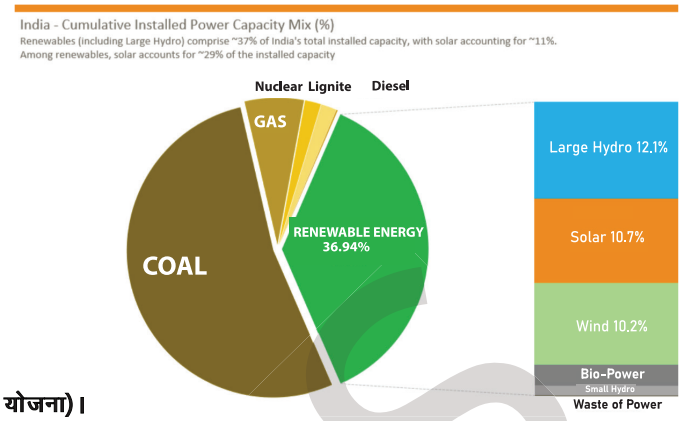

- **सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा आरंभ की गई पहलें**
  - राष्ट्रीय सौर मिशन।
  - भारत में रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं के प्रोत्साहन हेतु **सृष्टि/SRISTI (सोलर ट्रांसफीग्रेशन ऑफ इंडिया) योजना।**
    योग्य कार्यबल तैयार करने हेतु **सूर्यमित्र कार्यक्रम।**
  - सौर पार्कों तथा अल्ट्रा–मेगा सौर विद्युत् परियोजनाओं का विकास।
  - ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप प्रोग्राम।
  - **पी.एम.कुसुम/PM–KUSUM (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान योजना)।**
  - **अजय/AJAY (अटल ज्योति योजना)।**
  - बड़े ऊर्जा उपभोक्ता ग्राहकों हेतु **नवीकरणीय खरीद दायित्व।**
- **अंतर्राष्ट्रीय पहलें**
  - **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** (International Solar Alliance: ISA)– इसे भारत तथा फ्रांस द्वारा **संभावित सदस्यों के रूप में कर्क रेखा और मकर रेखा के मध्य पूर्ण या आंशिक रूप से स्थित 121 सौर संसाधन संपन्न देशों** की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आरंभ किया गया था।
    - **एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड** (One Sun One World One Grid: OSOWOG) पहल को ISA **फोरम** में भारत द्वारा प्रस्तावित किया गया था।

अन्य सुर्खियाँ

मिशन 5000

- 'मिशन 5,000' का उद्देश्य **प्रभावी संसदीय लोकतंत्र** सुनिश्चित करना है।
- **स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ** के अवसर पर **उपराष्ट्रपति ने देश के सभी 5,000 विधायकों** से संसदीय सत्र के दौरान विधायिका की कार्यवाही को बाधित न करने का संकल्प लेने की **अपील** की है।

जम्मू और कश्मीर हेतु नई औद्योगिक विकास योजना के लिए वेब पोर्टल का शुभारम्भ किया गया {Web portal launched for New Industrial Development Scheme for Jammu - Kashmir (J&K IDS] 2021)}

- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है। इसे **28,400 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय** के साथ वर्ष 2037 तक की अवधि के लिए आरंभ किया गया है।
- योजना का उद्देश्य संघ राज्यक्षेत्र जम्मू और कश्मीर में **औद्योगिक विकास को ब्लॉक स्तर तक ले जाना है।** यह भारत सरकार द्वारा **प्रथम बार आरंभ की गई एक औद्योगिक प्रोत्साहन योजना है।**
  - इसके अंतर्गत रोजगार सृजन, कौशल विकास और सतत विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।
  - यह छोटी और बड़ी दोनों इकाइयों को पूंजी निवेश प्रोत्साहन, पूंजी ब्याज सहायता, जीएसटी संबंधित प्रोत्साहन और कार्यशील पूंजी ब्याज सहायता प्रदान करती है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी सकल घरेलू उत्पाद संबंधी आकड़ें

- भारत के **सकल घरेलू उत्पाद** (Gross Domestic Product: GDP) में वर्ष 2021–22 की प्रथम तिमाही में **20.1%** की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। हालांकि, विगत वर्ष इसी तिमाही में **24.4% का संकुचन** दर्ज किया गया था।
- ये आंकड़े **निम्न आधार प्रभाव** (low base effect) प्रदर्शित करते हैं, क्योंकि विगत वर्ष जून माह तक प्रथम तिमाही में देशव्यापी लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था में वृहद पैमाने पर संकुचन दर्ज किया गया था।
  - अर्थशास्त्र में निम्न आधार प्रभाव एक अल्प प्रारंभिक परिमाण से एक लघु निरपेक्ष परिवर्तन की प्रवृत्ति को दर्शाता है, जो एक वृहद प्रतिशत परिवर्तन में रूपांतरित होने वाला है।

स्क्रब टाइफस (Scrub typhus)

- उत्तर प्रदेश में **रहस्यमय ज्वर** के कई मामले सामने आए हैं, जिसे **स्क्रब टाइफस** के रूप में संदर्भित किया गया है।
- **सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन** (CDC) के अनुसार, स्क्रब टाइफस **ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी** नामक जीवाणु से उत्पन्न होने वाला एक रोग है।
  - इसे **बुश टाइफस** के नाम से भी जाना जाता है।
  - लोगों में यह संक्रमण संक्रमित **मांसपिस्सू** (लार्वा घुन) के काटने से फैलता है।
  - लक्षणों में ज्वर और ठंड लगना, सिरदर्द, शरीर में दर्द, चकत्ते और मांसपेशियों में पीड़ा शामिल हैं।
  - स्क्रब टाइफस से बचाव के लिए कोई **टीका उपलब्ध नहीं है।** व्यक्ति के उपचार हेतु **प्रतिजैविक डॉक्सीसाइक्लिन का उपयोग** किया जा सकता है।

पांच मिनट का योग प्रोटोकॉल

- इसे **आयुष मंत्रालय** द्वारा विकसित किया गया है।
- पांच मिनट के प्रोटोकॉल का उद्देश्य कार्यस्थल पर लोगों को योग से परिचित कराना है।
  - यह कार्य अवधि से पांच मिनट के ब्रेक लेने के विचार को प्रोत्साहित करता है, ताकि पुनः आवश्यक ऊर्जा प्राप्त करने, तनाव दूर करने और पुनः ध्यान केंद्रित करने के लिए योग का अभ्यास किया जा सके।
- इसके अतिरिक्त, **मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान** (Morarji Desai National Institute of Yoga: MDNIY) द्वारा भी एक **वाई–ब्रेक मोबाइल एप्लिकेशन** विकसित किया गया है। इसकी मदद से केवल 5 मिनट में कहीं भी योग और ध्यान जैसे योगाभ्यास किए जा सकते हैं।

सुर्खियों में रहे स्थल

- ओडिशा का **केंद्रपाड़ा** अब भारत का एकमात्र जिला बन गया है, जहाँ मगरमच्छों की सभी तीनो प्रजातियां **(लवणीय जल वाले मगरमच्छ, घड़ियाल और मगर)** मौजूद हैं।
- **केंद्रपाड़ा** विशेषकर **नदियों, क्रीक्स, जल प्रवेशिकाओं (inlets) से घिरा** हुआ एक जिला है। यह **भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान** में लवणीय जल या ज्वारनदमुखीय मगरमच्छों के लिए अपने सफल संरक्षण कार्यक्रम के लिए प्रचलित रहा है।
- **सभी 3 प्रजातियां** वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की **अनुसूची 1** तथा **प्राणिजात और वनस्पतिजात की संकटग्रस्त प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते** (The Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora: CITES) के परिशिष्ट 1 के **तहत संरक्षित** हैं।
- IUCN में **मगरमच्छों की स्थिति**
  - **लवणीय जल वाले मगरमच्छ**– लीस्ट कंसर्न।
  - **घड़ियाल** – क्रिटिकली एंडेंजर्ड।
  - मगर – वल्नरेबल।

सुर्खियों में रहे व्यक्तित्व

श्रील भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

- इनकी 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय प्रधान मंत्री द्वारा **125 रुपये का एक विशेष स्मारक सिक्का** जारी किया जाएगा।
- वर्ष 1959 में, उन्होंने संन्यास का संकल्प लिया था। इसके उपरांत उन्होंने **वैष्णव शास्त्रों** पर टीके को लेखनीबद्ध करना आरंभ किया था।
- वर्ष 1966 में स्थापित इस्कॉन के नेतृत्व के माध्यम से उन्होंने भारत और विशेष रूप से पश्चिम में **गौड़ीय वैष्णव (हिंदू धर्म का एक दर्शन)** धर्मशास्त्र के **प्रमुख संचारक** के रूप में अपना विशेष योगदान दिया था।
  - इस्कॉन (अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ) को आमतौर पर **"हरे कृष्णा आंदोलन"** के रूप में जाना जाता है।
  - गौड़ीय वैष्णववाद मुख्य रूप से राधा और कृष्ण की **भक्ति आराधना (भक्ति योग)** पर केंद्रित रहा है।

VISIONIAS

8468022022, 9019066066
www.visionias.in

/c/VisionIASdelhi /Vision_IAS /visionias_upsc /VisionIAS_UPSC

दिल्ली लखनऊ जयपुर हैदराबाद पुणे अहमदाबाद चड़ीगढ गुवाहटी